

प्रो.वी.जगन्नाथ रेड्डी

हिंदी विभाग, अण्णामलै विश्वविद्यालय, तमिलनाडु



कॉन्फ्रेंस विषय में डाक्टर हिंदी विभाग की कंसल्टेसी में सम्मिलित
समय कुछ देर बाद डा. रेड्डी विभाग की ओर से हिंदी का हिंदी
के नये भाषा, जो इसमें कुछ बिंदु की ओर आकर्षित, वहीं ही हिंदी
विभाग की ओर से जो भारतीय विश्वविद्यालयों के छात्र (विद्यार्थी) इसमें
में निजी रूप से सम्मिलित प्रवेश हैं) डा. रेड्डी विभाग की ओर से 25
प्रकार के छात्रों के सर्वाधिक प्रतिक्रिया के माध्यम से - इसी सम्मेलन
के बाद इसी सम्मेलन के अंतर्गत जो सम्मेलन संचालित।
डा. वी. जगन्नाथ रेड्डी, अध्यक्ष,
हिंदी विभाग, अण्णामलै विश्वविद्यालय, तमिलनाडु.
3/2/17 945252533
jagannathreddy@annauniv.edu

डॉ. विनोद शर्मा

विभागाध्यक्ष हिंदी राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर



आज दिनांक 14-5-21 को कालीका विद्यापीठान्तर्गत हिन्दी विभाग में आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्री. भारद्वाज विभागाध्यक्ष जी का सरल सौम्य चरित्र से लगे हुए परिचय हुआ। प्रति वरुण शास्त्री अन्तर्गत में उनके स्वागत किया। श्री. प्रभात कोषट्ठा जी स्वयं मान्यतापूर्वक से स्वागत करते हुए अभिवादन कर ही रहे थे। संक्षेप सार्वभौम से संचालित हुई। बहुत अच्छा लगा। कुर्सी मोड़ने में सोभाजी ने जिसे बहुत आनन्दित कर दिया। शुभारम्भ हुई। बहुत ही सुगमता से संचालित हुआ। सभी का विवेक का परिचय देते हुए शौचास्पद से प्रश्न-उत्तर विभाग में चले। उनके आने का औरवान्ति, महसूस कर रहे हैं। पुनः आने की इच्छा रखते हैं।

विनोद शर्मा
(पुनर्विनोद शर्मा)
विभागाध्यक्ष हिन्दी
राजस्थान विश्वविद्यालय,
जयपुर
Mob: 9950997599

करुणाशंकर उपाध्याय

वरिष्ठ आचार्य और पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष,
विश्वविद्यालय मुम्बई



मैं कलकत्ता विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में दस
बाल जाया हूँ। मैंने का हिंदी विभाग, स्तरीय संगोष्ठियों
का सफल आयोजन कर रहा हूँ। छात्रावास के से
नये पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित यह शब्द
संगोष्ठी उसका पुनर्गठन तैयार करने की दृष्टि से
अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। ऐसा मेरा विश्वास
है। मैं इस विभाग के उत्तरोत्तर प्रगति की कामना
करता हूँ।

करुणाशंकर उपाध्याय
18/12/2018

मृदुला गर्ग

कथाकार



मैं कलिकाट जाऊँ थी। वी.पी. सिंह मंडीवाल
 ने तो उसे हिंदू विद्यालय विद्यालय में
 जाने का आदेश दिया। मैंने उसका
 नाम बदलकर गौरी प्रसाद रखा। मैं हूँ, यह
 आनंददा देव प्रसादा हूँ। हिंदू का
 विद्यालय अब हिंदू विद्यालय प्रसाद ने ही नाम
 रखा है। मैं आज काशी हूँ। मैं यह
 हिंदू विद्यालय नामका नामा दे दे कर दे
 कर हूँ। मैंने विद्यालय नाम का नाम रखा
 कि काशी जी नाम रखे हूँ।
 अ.म.

24-11-20

प्रहलाद जी .

71. 1. 18.

प्रो.जयचंद्रन आर

संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग,

केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम



कनिष्ठ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित
'आभावादी कविता : एक पुनर्जागरण'
त्रिदिनीय शब्दों पर आधारित मे' भाग
में दो बार भाग लेने का अवसर है
रहा है। इस विभाग के लोग
सक्रिय अवस्था में व्यक्तियों को
अवसर देना ही इस अवसर पर
हमारी नीति समझता है।
सभी शुभकामनाओं सहित

प्रोफेसर जयचंद्रन आर
संकायाध्यक्ष एवं
विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग
केरल विश्वविद्यालय
तिरुवनंतपुरम, केरल

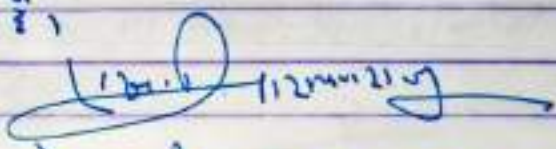
प्रो.एस.वी.एस.एस.नारायण राजु

विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग

तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय



केलिकट विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग पूर्ण
निष्ठा के साथ हिंदी साहित्य एवं भाषा का प्रचार प्रसार में
अग्रणी सराफ़नीय कार्य कर रहे हैं, जहाँ विद्यार्थी तथा शिक्षार्थी
भी दक्षतपूर्ण अनुभव करते हैं।


प्रो. एस.वी.एस.एस. नारायण राजु,

भारती गोरे
डॉ.बाबसाहेब आंबेडकर
मराठवाड़ा विश्वविद्यालय



काभीकट विश्वविद्यालय में चल रहे पुनश्चर्चा पाठ्यक्रम के निमित्त यहाँ आना हुआ। विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में व्याख्यान देने हेतु विभाग में आई तो यहाँ के ऊर्जवान छात्रों के साथ-साथ विद्वान शिक्षकों से भेंट हुई। इन्हें मैंने निरंतर अध्ययनरत पाया। हिंदी कहानी के वर्तमान परिदृश्य पर दिया व्याख्यान ध्यान से सुनने के साथ ही छात्रों ने जिज्ञासावश प्रश्न भी पूछे। यहाँ की ऊर्जस्विता और कार्यकर्मठता देखकर अभिभूत हूँ। हार्दिक अभिनंदन !

भारती गोरे
०१.११.१८

भारती गोरे
डॉ.बाबसाहेब आंबेडकर
मराठवाड़ा विश्वविद्यालय
औरंगाबाद - ४३१००५
महाराष्ट्र

उमा शंकर चौधरी

कवि और आलोचक



नेपाल के विभिन्न विश्वविद्यालयों में रुढ़े बार
आया है, लेकिन कालीकट विश्वविद्यालय में पहली बार
आया है। यहाँ के प्रासिकों और छात्रों में हिन्दी
साहित्य की रुढ़ि का प्यार है इसे देखकर बहुत
अर्थ होता है। नये नये साहित्य की पढ़ने की रुधि यहाँ
के छात्रों में है यह अन्ततः बहुत कम मिलता है। कई
बाबों में मिलता है कि यह महसूस होता है कि वे नये
रुढ़ि के लेखकों की नये विचारों की बहुत करीब हैं।
जानते हैं। यहाँ के छात्र हमारा ही भाषा की
बाद में जानने की रुधि नये रुढ़ि उमा ने साथ।


उमा शंकर चौधरी
18/2/2018

प्रो.डॉ.चंद्रकांत मिसाल

हिंदी विभागाध्यक्ष एस.एम.डी.टी महिला

विश्वविद्यालय पूणे, महाराष्ट्र



केरल के मुख्यमंत्री परियोजना प्रकृति का आयोजन
दिनांक: 6-8 फरवरी 2019 के संगोष्ठी में तब
श्री. प्रमोदजी से आपको सिनेमाघर ही खोजना है और
आपका आना है ही का आग्रह किया- तो श्रम महिलाओं
आयोजन में प्रमोद जी का आग्रह था -
- तब ही उन्हें लेकर संगोष्ठी के समारोह का
आयोजन कर आदर, उनके निमण प्रमुख और
सदस्यों के साथ संगोष्ठी की गुणवत्ता
हलमुख्य व्यक्तित्व रहे - विश्वविद्यालय की
परिचय और अपने विभाग के प्रति उनकी
निष्ठा देखकर प्रति प्रेरणा हुआ
प्रकृति - • यहाँ का जल मे कमी है यहाँ के प्राक्काश
इस कदम साथ पान सिखा- सीखा, संस्कृत, हिंदी
विषयों विभागाध्यक्ष सहयोगी- प्राक्काश
प्रकृति कार्य लेना न्यारे- विश्वविद्यालय के
राजिस्टर, इ. डायग्नोसिस साथ, अक्षय अक्षय
संगोष्ठी में सहित प्राक्काश, अक्षय प्रकृति
प्राप्त होकर भी - हिंदी की साथ में ही- ही
संगोष्ठी - अक्षय, सुखद, प्रशंसनीय।
इस अवसर पर प्राक्काश हिंदी विभाग
कार्यक्रम में लेखा आगे के मंग अग्रदूत रहेगा
आता- जाता रहेगा
देर करि सुप्रसन्नताएँ और
सादर अभिनंदन के साथ -
प्रोफेसर (अ) चंद्रकांत मिसाल
उपस्थित हिंदी विभाग
एस.एम.डी.टी महिला विश्वविद्यालय
पूणे, महाराष्ट्र - 411 003
9822222222

आशीष त्रिपाठी

लेखक और आचार्य हिंदु विश्वविद्यालय, बनारस



कालीकट तीसरी बार और इस विभाग में। ज्ञाता हूँ। केरल के सभी विश्वविद्यालय
आधुनिक, विशेषतः ~~समकालीन~~ साहित्य पर, गंभीर कार्य कर रहे हैं।
कालीकट वि. वि. का हिन्दी विभाग इस और गंभीर है। यह दोबारा अन्दर
लागत है। 'व्यावहारिक' केन्द्र संगठन में भाग लेकर विभाग के विद्यार्थियों से
संवर्धन का अवसर मिलेगा - ऐसी उम्मीद है। इसलिए मैं खुश हूँ।

आशीष त्रिपाठी
18/12/18